

खड़े रहो #अड़े रहो



दुनियां में सबसे आसान काम है
 विश्वास खोना
 कठिन काम है विश्वास पाना
 और उससे भी अधिक
 कठिन काम है
 विश्वास बनाये रखना
 विश्वास बनाए रखने के लिए खड़े रहो #अड़े रहो
 दुनियां में सबसे आसान काम है
 सपने देखना
 कठिन काम है सपने पूरे करना
 और उससे भी अधिक
 कठिन काम है
 सपनों को हकीकत में बदलना
 सपनों को हकीकत में बदलने के लिए खड़े रहो #अड़े रहो
 दुनियां में सबसे आसान काम है
 बात सुनना
 कठिन काम है बात कहना
 और उससे भी अधिक
 कठिन काम है
 अपनी बात मनवाना
 अपनी बात मनवाने के लिए खड़े रहो #अड़े रहो
 दुनियां में सबसे आसान काम है
 हार जाना
 कठिन काम है जीत जाना
 और उससे भी अधिक
 कठिन काम है
 बार बार जीतते रहना
 बार बार जीतने के लिए खड़े रहो #अड़े रहो

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।



ज्ञान दिखा पहचान बना

अपना तू ज्ञान दिखा, अपनी पहचान बना
हौसलों से उड़कर तू मंजिल आसान बना

कहा बहुत लोगों ने सना बहुत है तुने यहाँ
दिखा कर के तरक्कीयों को फ्रमान बना

सोच मत ज्यादा निभा खुद से किया जो वादा
निकल जा परेशानियों से चेहरे पर मुस्कान बना

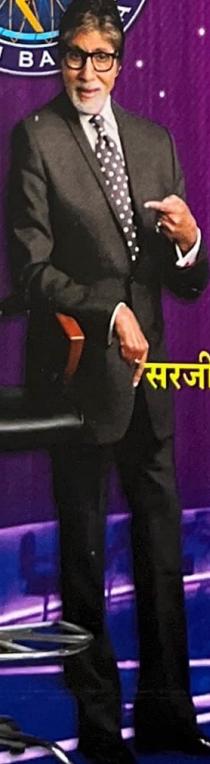
चट्टानों से सख्त है हौसला कर ले अब फैसला
मेज़बान है तैयार खुद को क्राबिल मेहमान बना

मत हो तू उदास ज्ञान का हथियार है तेरे पास
कर ले तैयारी जीतने की जीत का समान बना

अपना तू ज्ञान दिखा, अपनी पहचान बना
हौसलों से उड़कर तू मंजिल आसान बना

कहा बहुत लोगों ने सना बहुत है तुने यहाँ
दिखा कर के तरक्कीयों को फ्रमान बना

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनाये।



मत डर हवा से तू यहाँ अब उड़ान से पहले
 हौसलों को कर पक्का इम्तिहान से पहले

 कर कोशिश फिर एक बार सफलता मिलेगी
 सफर मुश्किल होता है हर मुकाम से पहले

 क्रिस्मत के सहारे बैठने से कुछ नहीं होगा
 बता अपनी रजा खुदा के फरमान से पहले

 समय का इंतज़ार खत्म अब तेरा समय है
 मुश्किल सवालों का जवाब आसान से पहले

 कर प्रयास, लगा आस, जगा खुद में विश्वास
 सोच हर एक दुख को अपनी मुस्कान से पहले

 दुनिया देखेगी तुझे और तेरे हौसलों को भी अब
 खुद का कर सम्मान दुनिया के सम्मान से पहले

 मत डर हवा से तू यहाँ अब उड़ान से पहले
 हौसलों को कर पक्का इम्तिहान से पहले

 कर कोशिश फिर एक बार सफलता मिलेगी
 सफर मुश्किल होता है हर मुकाम से पहले

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।



सोच बड़ी है

जिन्दगी की समस्या तो हर दिन नई खड़ी है
जीत जाते हैं वो जिनकी सोच कुछ बड़ी है

आ गया है समय कुछ कर दिखलाने का अब
लम्हा कटता मुश्किल टिक टिक करती घड़ी है

कोसना क्रिस्मत को सन कर बात जमाने की
यो क्रिस्मत भी जाने किंतनी बार हौसलों से लड़ी है

सफलताएँ, आशाएँ को तू अपना गुलाम बना ले
बदल सकता क्रिस्मत ज्ञान से वो जादू की छड़ी है

सज्जा ले तू ख्वाब सुनहरे अपनी पलकों पर फिर एक बार
मन बहल जाएगा चलने वाली यहाँ खुशियों की फुलझड़ी है

कब तक रोकोगे खुद को पूछता है जमाना ये सवाल
कर ले तैयार, फिर एक बार आ गई जवाब देने की धड़ी है

जिन्दगी की समस्या तो हर दिन नई खड़ी है
जीत जाते हैं वो जिनकी सोच कुछ बड़ी है

आ गया है समय कुछ कर दिखलाने का अब
लम्हा कटता मुश्किल टिक टिक करती घड़ी है

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनाये।



बीत जाता जो समय वो फिर कभी भी लौटा नहीं
 जीतता वो ही डर के तूफानों से जो घर में बैठा नहीं
 बेड़ियों के बंधन से निकलकर चला है जो यहाँ पर
 जीतता वो ही जो आलोचकों डर से घर में बैठा नहीं
 है इरादा जीत तो खेल कर देख ये खेल एक बार तू
 जीतता वो ही जो सवालों के डर से धर में बैठा नहीं
 काट ली ज़िन्दगी तूने अन्धेरों में चल उजाला देख अब
 जीतता वो ही जो अंधेरों के डर से धर में बैठा नहीं
 प्रयास तूने बहुत किए बार बार तो कर एक बार फिर
 जीतता वो ही जो असफलताओं के डर से धर में बैठा नहीं
 करने को रोशनी जहाँ में जलना पड़ता है दिए की तरह
 जीतता वो ही जो शंकाओं के डर से धर में बैठा नहीं
 बहुत सुन चूका तू औरों की अब कर बस तू अपने मन की
 जीतता वो ही जो फरमानों के डर से धर में बैठा नहीं
 बीत जाता जो समय वो फिर कभी भी लौटा नहीं
 जीतता वो ही डर के तूफानों से जो घर में बैठा नहीं

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनाये।



सपनों को सच कर

छोटी छोटी अँखियों में बड़े बड़े सपने पलने का समय आ गया
बहुत हो चुका ग्राम, खुशियों से गले मिलने का समय आ गया

ज़माना ने बहुत कुछ कहा, तुमने बहुत कुछ सुना, पर अब नहीं
आँखों में आँखें डालकर सर उठा कर चलने का समय आ गया

कब तक बैठे रहेंगे यूँ ही घर पर कि क्रिस्मस दरवाज़ा खटखटायेगी
हौसलों के पथ पर चलना है घर से निकलने का समय आ गया

कोशिश करता इंसान तो गिरता है और सँभलता है, चलता है
बदलाव सफलता की कुंजी है, खुद को बदलने का समय आ गया

माना की ग़मों से धिरे धिरे मुरझा चुके हो तुम बहुत अब तक
महकी खुशियों की फुलवारी, आशाओं के फूल खिलने का समय आ गया

छोटी छोटी अँखियों में बड़े बड़े सपने पलने का समय आ गया
बहुत हो चुका ग्राम, खुशियों से गले मिलने का समय आ गया

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।



हर्ष और संघर्ष, हौसलों का स्पर्श

मिलता हर्ष नहीं जब तक जीवन में संघर्ष नहीं
कुछ भी नहीं मिलता जब होता हौसलों का स्पर्श नहीं

कर कर तू प्रयास कर पाने को मंज़िल चलता चल
मिल कर ही रहेगी होगी कोई कोशिश तेरी व्यर्थ नहीं

मत घबरा तू अकेलेपन से बना ले परछाई को दोस्त
यहाँ कोई भी संबंध, रिश्ता जाता कभी भी व्यर्थ नहीं

समझते हैं तझे जो कमज़ोर दे दे जवाब तू उन सबको आज
चुप हो जायेगा ज़माना, तू अज्ञानी नहीं, तू असमर्थ नहीं

मत दे खुद को दोष हो चका तेरी जीत का अब जयघोष
जीत कर मंज़िल पर पहुँचने से बड़ा यहाँ कोई अब हर्ष नहीं

सिलसिला ये दिलों को जीतने का चल रहा निरंतर
जो बदलती न ज़िन्दगी यहाँ तो चलता ये १८ वर्ष नहीं

मिलता हर्ष नहीं जब तक जीवन में संघर्ष नहीं
कुछ भी नहीं मिलता जब होता हौसलों का स्पर्श नहीं

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।

करोड़पति

हौसलों की सवारी

नीदे बहत हल्की हैं पर ख्वाब हमारे बहुत भारी हैं
उड़ना है अब आसमानों में हौसलों की सवारी है

करना चाहते बहुत कछ पर कुछ भी हो नहीं पाता
चाँद की बराबरी करें कैसे ये जुगनुओं की लाचारी है

सज चका है मंच आशाओं का, संभावनाओं का
देखो आ रहा है हिन्दस्तान वहाँ पूरी तैयारी है

दिन भर दिन खाएँ हैं धक्के, सने हैं ताने लोगों के
करवटे बदल बदल कर कैसे कैसे रात गुज़ारी है

कब तक रोकोगे मझे अब कहने से, ज़ज्बातों को बहने से
अबकी बार जवाब देने की आई मेरी यहाँ बारी है

बहुत हो चुका खोना, रोना बस अब और नहीं, और नहीं
है खुशीयाँ बस मेरी ही, मेरी उन पर अब दावेदारी है

नीदे बहत हल्की है पर ख्वाब हमारे बहुत भारी है
उड़ना है अब आसमानों में हौसलों की सवारी है

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।



जिन्दगी देती सहारा उन्हें जिन्हें खुद का सहारा होता है
जब मिलता ज्ञान हौसलों से तो १ और १ ग्यारह होता है

बार बार प्रयास किया पर कुछ नहीं हुआ तो और प्रयास कर
मिलती है जब सफलता तो बदला बदला नजारा होता है

क्या हुआ, क्या हो जाएगा, क्यूँ करूँ मैं और कब तक
सवाल हैं बहुत पर कुछ सवालों का जवाब बहुत प्यारा होता है

टिटिक करती सुई घड़ी की समय को कोई नहीं पकड़ सकता
पर यहाँ समय का भी समय आने पर ही इशारा होता है

बस एक बार और, बस एक बार कर के तो देख तू एक बार
कहाँ रुक्ता दरिया का पानी जब एक बार बहती धारा होता है

जिन्दगी देती सहारा उन्हें जिन्हें खुद का सहारा होता है
जब मिलता ज्ञान हौसलों से तो १ और १ ग्यारह होता है

बार बार प्रयास किया पर कुछ नहीं हुआ तो और प्रयास कर
मिलती है जब सफलता तो बदला बदला नजारा होता है

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।



हौसलों बड़े हैं.....

दुनियाँ पहचानती उन्हें जो हए गिर गिर कर यहाँ फिर खड़े हैं
चलो दिखा दो दुनियाँ को हौसले यहाँ मुश्किले से बड़े हैं

सवाल तो रोज़ पूछती है ज़िन्दगी पर जवाब दिए नहीं हमने
देने को वो एक जवाब हम जाने कितने दफ़े खुद से लड़े हैं

मौका आज फिर बताने को सबको की हम किसी से कम नहीं
जान किया है अर्जित हमने और शायद इसी दिन के लिये पढ़े हैं

न शिकवा नज़रों से गिरने का, न गिला कि बस न पाए आँखों में हम
कर न पाए कुछ अब तक हम ये ही दिल दिमांग के बीच झगड़े हैं

कब तक रोकोगे ज़ज्बात हमारे तुम अब कह जाने दो, बह जाने दो
हमारी छोटी छोटी अँखियों में ख़बाब बहुत बड़े बड़े पले हैं

आ रहा हिन्दस्तान यहाँ, मिलेगी पहचान यहाँ और मिलेगा सम्मान यहाँ
मंज़िल भी मिल ही जाएगी अभी अभी तो हम सफ़र पर निकले हैं

दुनियाँ पहचानती उन्हें जो हए गिर गिर कर यहाँ फिर खड़े हैं
चलो दिखा दो दुनियाँ को हौसले यहाँ मुश्किले से बड़े हैं

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।



आगे बढ़ता है वो ही यहाँ जो विश्वास के साथ चलता है
 देखता है ख़बाब तो विश्वास के साथ हकीकत में बदलता है

 खो खो कर, करना प्रयास और पा लेना ये ही तो है विश्वास
 गिर गिर कर, सँभलना, दौड़ते चले जाना ये ही तो है विश्वास

 किस्मत के सहारे नहीं विश्वास से अपने वो आगे बढ़ता है

 आगे बढ़ता है वो ही यहाँ जो विश्वास के साथ चलता है
 देखता है ख़बाब तो विश्वास के साथ हकीकत में बदलता है

 माना सफलता तझे मिली नहीं पर विश्वास न तेरा डगमगाए
 जल कर ही विश्वास का दीया यहाँ रोशनी करता चला जाए

 विश्वास को बना ले साथी करता चल ये कठीन सफर तू तय
 हौसलों को बना ले पंख उड़ के दिखा है विश्वास तो कैसा भय

 जीत उसी की ही होती जो आखिर में विश्वास के साथ लड़ता है

 आगे बढ़ता है वो ही यहाँ जो विश्वास के साथ चलता है
 देखता है ख़बाब तो विश्वास के साथ हकीकत में बदलता है

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।



हौसला + हिम्मत = मजिंल (1+1=11)

शिद्दत से हिम्मत होती है, खद के हाथों में खुद की क्रिस्मत होती है हौसलों से होती है उड़ान, जीतते हैं वो जिनको जीतने की ज़िद होती है मिलता है मौका सबको यहाँ पर मौके को भनाना सबके बस की बात नहीं करते रहना प्रयास भी आसान नहीं होता, जुनून की कहाँ कोई हद होती है

बहुत जतन करने पड़ते हैं सपनों को हकीकत में बदलने के लिये सपने देखने चाहीये सभी को, सपनों की कहाँ कोई सरहद होती है

सवाल, सवाल और बस सवाल ही सवाल पूछती है ज़िन्दगी हर क्रदम पर सोच समझकर देना जवाब, सही ग़लत के बीच बहुत ज़दोजहद होती है

चलों करे फिर प्रयास, लगाये जीत की आस, घूमने लगे ख़शियाँ आसपास दिखाते जब हौसला कुछ करने का मिलती जीत तो खुशी बँहद होती है

शिद्दत से हिम्मत होती है, खद के हाथों में खुद की क्रिस्मत होती है हौसलों से होती है उड़ान, जीतते हैं वो जिनको जीतने की ज़िद होती है

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।



मंच है ये हिन्दुस्तान का

ये मंच है आपका, मेरा और पूरे हिन्दुस्तान का
ये मंच है हौसलों का और हौसलों की उड़ान का

ये मंच है ज्ञान की परीक्षा, सवाल और जवाब का
ये मंच है सपनों का और हर अधूरे पढ़े ख्वाब का

ये मंच है ज़माने को दिखाने का, बतलाने का
ये मंच है सफर पर निकलने का हृद से गुज़र जाने का

ये मंच है खद को साबित करने का और विश्वास का
ये मंच है छोटी छोटी आँखों में पलती बड़ी बड़ी आस का

ये मंच है कुछ अच्छे कार्यों के लिये सम्मान का
ये मंच है व्यक्तित्व का और आपकी अलग पहचान का

मंच वो ही है पर खेल रोज़ नया यहाँ रचा जाता है
बात नायाब बहुत छोटे से मंच पर हिन्दुस्तान सजा जाता है

मंच तैयार फिर एक बार बनने को ज्ञान का पर्याय
आ रहा कौन बनेगा करोड़पति ग्यारहवाँ अध्याय

खड़े रहो #अड़े रहो



विकास बंसल (कवि महाशय)

सरजी कौन बनेगा करोड़पति ११ की बहुत बहुत शुभकामनायें।





कौन बनेगा करोड़पति ११ के लिये बहुत बहुत शुभकामनाएँ।

Ef Vikas Bansal
ABEFTeam

1939, Sector 28 Opp Shiv Shakti Mandir, Faridabad 121008 Haryana
Mobile : 9873555289 / 9810955586 • Twitter : @VikasbansalEF
E.mail : micky.bansal75@gmail.com

(FOR PRIVATE CIRCULATION HAVING NO COMMERCIAL VALUE)

design concept : miten lapsiya